

स्वतंत्रता का मार्ग

खंड 2

Libertalia

पहला डिजिटल राष्ट्र

पुस्तक III

स्वतंत्रता का मार्ग

खंड 2 - प्रौद्योगिकी

Luc Arden

एथेंस 2026

प्रकाशक:

LP Development

समर्पित

Elon Musk को, दुनिया भर के उन संगठनों और संस्थानों को जो प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने में योगदान देते हैं — जैसे European AI Office, OECD.AI, UNESCO, Council of Europe – AI और UN DESA / Digital Government — तथा उन कंपनियों, प्रयोगशालाओं और कारखानों को जो अगली तकनीकी युग की प्रौद्योगिकियों को वास्तविकता में बदल रहे हैं, जैसे FANUC, ABB Robotics, Yaskawa Motoman, Tesla Optimus और Figure AI।

इस आशा के साथ कि आगे दिए गए नियम और सिद्धांत एक बेहतर कल की दिशा में, भले ही एक छोटा-सा योगदान ही क्यों न हों, सहायक सिद्ध हों — ऐसा कल जिसमें मनुष्य और मशीनें सुरक्षा, संतुलन, स्वतंत्रता और पारस्परिक सम्मान के साथ सह-अस्तित्व में रह सकें।

क्योंकि भविष्य का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं होगा कि मशीनें कितनी बुद्धिमान बनती हैं, बल्कि इस आधार पर भी होगा कि उन्हें बनाते समय हम कितनी बुद्धिमत्ता और विवेक का परिचय देते हैं।

Luc

© 2026 Luc Arden
प्रथम डिजिटल संस्करण, 2026

कृति

LIBERTALIA

पहला डिजिटल राष्ट्र

LIBERTALIA, Luc Arden की एक समग्र कृति है, जो **तीन अलग-अलग पुस्तकों** के माध्यम से विकसित होती है; इनमें से प्रत्येक उसी विचार को एक अलग दृष्टिकोण से देखती है।

पुस्तक I

मुक्ति

पहली पुस्तक में लेखक **Mike Harris** की यात्रा का वर्णन करते हैं—एक साधारण, रोज़मर्रा के व्यक्ति की, जो उन बातों पर प्रश्न उठाने का निर्णय लेता है जिन्हें सामान्यतः स्वाभाविक मान लिया जाता है।

शक्तिशाली हितों, सत्ता की संरचनाओं और ऐसी दुनिया का सामना करते हुए जिसे बदलना असंभव-सा लगता है, Mike एक विचार को एक दृष्टि में बदलने का प्रयास करता है: एक अधिक स्वतंत्र, अधिक न्यायपूर्ण और अधिक मानवीय दुनिया की रचना।

मुक्ति वह कहानी है, जिसके माध्यम से Libertalia की परिकल्पना जन्म लेती है।

पुस्तक II

खोया हुआ अध्याय

दूसरी पुस्तक में लेखक कहानी के दो मुख्य पात्रों—**Mike** और उसकी पत्नी—के माध्यम से एक अलग प्रश्न की पड़ताल करते हैं:

क्या Mike की परिकल्पना आज की दुनिया में वास्तविकता बन सकती है?

खोया हुआ अध्याय कथा और वास्तविकता के बीच एक सेतु बनाने का प्रयास करता है, और एक ऐसे संभावित मार्ग का वर्णन करता है जिसके माध्यम से कोई विचार धीरे-धीरे वास्तविक रूप ले सकता है।

पुस्तक III

स्वतंत्रता का मार्ग

तीन खंडों में

तीसरी पुस्तक में, दृष्टि सिद्धांत से आगे बढ़कर संरचना का रूप लेती है।

लेखक उन **सिद्धांतों, नियमों और संस्थाओं** को रूप देने का प्रयास करते हैं, जो समाज को संगठित करने के एक अलग तरीके को आधार दे सकते हैं।

स्वतंत्रता का मार्ग के तीन खंडों में लोकतंत्र, न्याय, अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, दैनिक जीवन और उन सामाजिक परिवर्तनों से जुड़े विषयों की पड़ताल की जाती है, जो भविष्य को आकार दे सकते हैं।

साथ ही, यह कृति उन प्रश्नों के निकट जाने का प्रयास करती है जिन्हें तकनीकी और सामाजिक विकास की तीव्र गति पहले ही जन्म दे रही है—यहाँ तक कि तब भी, जब आज की संस्थाएँ अभी उनके उत्तर देने के लिए तैयार नहीं हुई हैं।

स्वतंत्रता का मार्ग Mike के सपने को एक विचार से आगे बढ़ाकर एक अलग दुनिया के लिए सिद्धांतों के एक समग्र ढाँचे में बदलने का प्रयास है।

शायद सब कुछ यहीं से शुरू होता है

जिस स्थान और राज्य में यह कहानी घटित होती है, उनका चयन संयोगवश किया गया है।

इस पुस्तक का उद्देश्य केवल एक साधारण व्यक्ति की कहानी सुनाना या पाठक का मनोरंजन करना नहीं है।

इसका उद्देश्य है कि पाठक कुछ क्षण ठहरे और आने वाली दुनिया के बारे में सोचे।

हमारा जीवन पहले ही बदल रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था, काम, सत्ता और यहाँ तक कि स्वतंत्रता की अवधारणा स्वयं ऐसी गति से बदल रही है, जैसी शायद मानवता ने पहले कभी नहीं देखी। इस संक्रमण के बीच, यह पुस्तक—दूसरी पुस्तक (खोया हुआ अध्याय) और तीन खंडों वाली तीसरी पुस्तक (स्वतंत्रता का मार्ग) के साथ—सिर्फ एक कहानी कहने से कुछ अधिक करने का प्रयास करती है:

यह एक अलग भविष्य की ओर जाने वाले संभावित मार्गदर्शक के रूप में काम करने का प्रयास करती है।

इसीलिए इसका सार भाषा या शब्दों की पूर्णता में नहीं है। **इसका
सार उन विचारों में है, जो उनके पीछे साँस लेते हैं।**

उन प्रश्नों में, जिन्हें वे जन्म देते हैं।

**उन बातों पर प्रश्न उठाने में, जिन्हें आज हम स्वाभाविक मान लेते
हैं।**

उद्देश्य यह है कि पाठक परिवर्तन को केवल पढ़े नहीं, बल्कि
कहानी के माध्यम से उसे **देखे, महसूस करे और जीए।**

ये तीनों पुस्तकें यह दावा नहीं करतीं कि वे जानती हैं कि मानवता
का भविष्य कैसा होना चाहिए। **लेकिन वे यह सुझाव देती हैं कि
शायद एक दूसरा रास्ता भी है।**

एक अधिक स्वतंत्र, अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय दुनिया की
ओर जाने वाला रास्ता। और शायद इन पन्नों में छिपा सबसे बड़ा
विचार अंततः बहुत सरल है:

**स्वतंत्रता तब शुरू नहीं होती जब कोई और हमारे लिए दुनिया
बदलता है।**

**यह उस क्षण शुरू होती है जब हम विश्वास करते हैं कि एक
अलग दुनिया सचमुच अस्तित्व में आ सकती है।**

यदि ये तीन पुस्तकें केवल एक व्यक्ति को भी भविष्य को अलग
नज़र से देखने के लिए प्रेरित कर सकें, तो **वे पहले ही कुछ
महत्वपूर्ण हासिल कर चुकी होंगी।**

क्योंकि हर बड़ा परिवर्तन, वास्तविकता बनने से पहले, **पहले एक
विचार था।**

और हर विचार को कभी न कभी जरूरत पड़ी
**ऐसे लोगों की, जिन्होंने उस पर विश्वास करने का
साहस किया।**

प्रथम संस्करण V.01

“मानचित्र”

लेखक का संदेश:

3 खंडों में प्रस्तुत यह तीसरी पुस्तक एक असाधारण महत्वाकांक्षी प्रयास से जन्मी: मानव जीवन के जितने अधिक क्षेत्रों को संभव हो छूना और उन नियमों, संस्थाओं तथा प्रणालियों को आरंभ से पुनःपरखना जिन्हें आज हम स्वाभाविक मान लेते हैं।

दशकों से जीवित अन्यायों को खोजना: राज्यों द्वारा अपने नागरिकों के विरुद्ध किए गए अन्याय, न्याय व्यवस्था की कमजोरियाँ, अर्थव्यवस्था की विकृतियाँ तथा लोकतंत्र, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सामाजिक संरक्षण के संचालन में समस्याएँ। साथ ही उन समस्याओं की ओर देखना जो अभी पूरी तरह सामने नहीं आई हैं—वे जोखिम जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन, जैव-प्रौद्योगिकी, इम्प्लांट, स्वायत्त प्रणालियों और अन्य ऐसी तकनीकों से उत्पन्न हो सकते हैं जो आज अभी विकास के प्रारंभिक चरण में हैं। लक्ष्य केवल परिणामों से निपटना नहीं, बल्कि समय रहते नए प्रकार के जोखिमों का पूर्वानुमान लगाना और समस्या बनने से पहले नियम स्थापित करना है; यहाँ तक कि उन मुद्दों के लिए भी जो आज गौण लग सकते हैं, जैसे स्थापित किए जा सकने वाले रोबोटों की संख्या, वे स्थान जहाँ उनका उपयोग किया जा सकता है और उनके संचालन की शर्तें।

इस प्रयास के परिणामस्वरूप 4,000 से अधिक नियम, सिद्धांत और प्रस्ताव तैयार हुए।

हालाँकि यह संस्करण इस कार्य का अंतिम और पूर्णतः वर्गीकृत रूप नहीं है।

पहली पुस्तक के साथ दूसरी पुस्तक को मूल योजना के अनुसार प्रस्तुत करने के लिए यह तय किया गया कि उसे प्रकाशित किया जाए, भले ही लेखों का क्रम हर जगह आदर्श न हो। कुछ लेख शायद अन्य लेखों के पास रखे जा सकते थे, अलग-अलग अनुभाग मिलाए जा सकते थे और पूरे अध्यायों को पुनर्व्यवस्थित किया जा सकता था ताकि समग्र संरचना अधिक सुसंगत हो। साथ ही कुछ नियम दोहराए जा सकते हैं या समान तरीके से व्यक्त हो सकते हैं, विशेषकर जहाँ अलग लेकिन संबंधित अनुभाग एक ही श्रेणी की प्रणालियों, एक ही संस्था या एक ही व्यापक विषय का उल्लेख करते हैं।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि कार्य के विशाल आकार के कारण पाठों का संपादन और उनका अनुवाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरणों की सहायता से किया गया। परिणामस्वरूप कुछ स्थानों पर अनुवाद मूल पाठ से मामूली रूप से भिन्न हो सकता है, लेकिन उससे उसके मूल अर्थ या समग्र सामग्री में परिवर्तन नहीं होता।

लेकिन यह पुस्तक मुख्य रूप से किसी पूर्ण विधि-संहिता को प्रस्तुत करने के लिए नहीं बनाई गई।

यह विचार प्रस्तुत करने के लिए बनाई गई।

सरकारों, शोधकर्ताओं, विश्वविद्यालयों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों तथा ई-गवर्नेंस, भविष्य के शासन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के डिज़ाइन व विनियमन से जुड़े निकायों के लिए विचार-विमर्श का क्षेत्र बनने के लिए।

उन विषयों पर प्रकाश डालने के लिए जिन पर अब तक बहुत कम चर्चा हुई है या जिन्हें अभी व्यवस्थित रूप से संबोधित नहीं किया गया है।

ऐसे नियमों की पहली नींव रखने के लिए जिनकी समाजों को आवश्यकता का एहसास होने से बहुत पहले जरूरत पड़ सकती है।

क्योंकि कानून आमतौर पर तकनीक के पीछे चलता है।

इस पुस्तक द्वारा उठाया गया प्रश्न अलग है:

क्या इस बार हम उससे पहले आगे बढ़ सकते हैं?

क्या हम कुछ समस्याओं के सामने आने से पहले उनका अनुमान लगा सकते हैं?

क्या हम आज यह तय कर सकते हैं कि तकनीक, शक्ति, राज्य, व्यवसाय—या स्वयं कृत्रिम बुद्धिमत्ता—को किन सीमाओं को पार करने की अनुमति कभी नहीं दी जानी चाहिए?

साथ ही यह पुस्तक उन वैश्विक विकृतियों को उजागर करना चाहती है जिन्हें हमने अपरिहार्य मानना सीख लिया है: नौकरशाही, भ्रष्टाचार, असमानता, शक्ति का दुरुपयोग, आर्थिक निर्भरता, अप्रभावी न्याय, राजनीतिक दण्डमुक्ति और वे संस्थाएँ जो अक्सर मनुष्य से अधिक स्वयं प्रणाली की रक्षा करती हैं।

यह सभी उत्तर होने का दावा नहीं करती।

लेकिन यह अलग प्रश्न प्रस्तुत करती है—और अपने नियमों के माध्यम से संभावित समाधान भी।

इसलिए आगे दिए गए 4,000 से अधिक नियमों को केवल विधायी अनुच्छेदों के रूप में नहीं पढ़ा जाना चाहिए।

उन्हें भविष्य पर एक प्रयोग के रूप में पढ़ा जाना चाहिए।

एक ऐसा प्रयोग जो एक मूल प्रश्न उठाता है:

यदि आज हमें अतीत की गलतियों को जानते हुए और आने वाली तकनीकों को देखते हुए समाज के नियमों को आरंभ से डिज़ाइन करने का अवसर मिलता, तो हम क्या अलग करते?

इस पुस्तक के कई प्रस्तावों में परिवर्तन की आवश्यकता पड़ सकती है। कुछ अव्यावहारिक सिद्ध हो सकते हैं। अन्य को वर्षों की चर्चा, वैज्ञानिक पुष्टि और लोकांतरिक समीक्षा की आवश्यकता हो सकती है।

यह स्वाभाविक है।

क्योंकि उद्देश्य 4,000 उत्तर थोपना नहीं है।

उद्देश्य 4,000 चर्चाएँ शुरू करना है।

इस बारे में चर्चाएँ कि लोग ऐसी दुनिया में कैसे रह सकते हैं, काम कर सकते हैं, सृजन कर सकते हैं और साथ रह सकते हैं जहाँ तकनीक के पास लगातार अधिक शक्ति होगी।

और सबसे बढ़कर, उस शक्ति का उपयोग मनुष्य को सीमित करने के लिए नहीं बल्कि उसे स्वतंत्र करने के लिए कैसे किया जा सकता है।

“The Salvation”

**पहली पुस्तक बताती है कि परिवर्तन कैसे शुरू हो
सकता है।**

“Lost Chapter”

यह उस परिवर्तन के लिए कदमों का वर्णन करती है।

“The Way to Liberty”

**तीसरी पुस्तक उन सिद्धांतों और नियमों को प्रस्तुत
करती है जिन पर वह परिवर्तन निर्मित किया जा
सकता है।**

(3 खंड)

स्वतंत्रता का मार्ग

(मानचित्र)

खंड 2

“पहले डिजिटल राष्ट्र के निर्माण के लिए निर्देश और नियम।
एक न्यायपूर्ण राष्ट्र की स्थापना के मूल सिद्धांत और पूर्वापेक्षाएँ
स्वयं नागरिकों द्वारा।”

“मुझे आशा है कि यह दुनिया को बेहतर बनाएगा”

Mike Harris

Libertalia क्या है?

Libertalia पहले डिजिटल और वैश्विक राष्ट्र की रूपरेखा है, जिसे स्वयं नागरिकों द्वारा बनाया गया है और जो आज की राज्य-सीमाओं से ऊपर कार्य करता है, बिना उनकी राष्ट्रीय पहचानों को समाप्त किए।

इसका उद्देश्य स्वतंत्रता, सुरक्षा, समानता, वास्तविक न्याय, कम कराधान, नागरिक संरक्षण, पारदर्शी शासन तथा मानवता के हित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नई तकनीक के उपयोग के साथ अधिक न्यायपूर्ण समाज बनाना है।

Libertalia केवल अधिक धन-संपत्ति का लक्ष्य नहीं रखता, बल्कि बेहतर जीवन-गुणवत्ता, ज्ञान, स्वास्थ्य, परिवार, रचनात्मकता, नवाचार और सामान्य समृद्धि का भी लक्ष्य रखता है। भागीदारी स्वैच्छिक है: जो कोई इसके सिद्धांतों, अधिकारों और दायित्वों को स्वीकार करता है, वह इसके वैश्विक समुदाय का हिस्सा बन सकता है।

एक वाक्य में:

Libertalia समाज को मूल आधार से इस प्रकार पुनःडिज़ाइन करने का प्रयास है जैसा हम चाहते हैं कि वह कार्य करे—मानवता ने जो अच्छा बनाया है उसे सुरक्षित रखते हुए और जो आज काम नहीं करता उसे सुधारते हुए।

इसके निर्माण का उद्देश्य क्या है?

राज्यों से ऊपर कार्य करने वाला एक वैश्विक, न्यायपूर्ण समुदाय बनाना, जो स्वतंत्रता, संरक्षण, सुरक्षा, न्याय और समानता प्रदान करे।

लक्ष्य समाज को वैसा बनाना है जैसा उसे होना चाहिए: सार्वजनिक हित से निर्देशित, ऋण के बोझ से मुक्त, सर्वोत्तम सिद्ध कानूनों को एकत्र करने और नए कानून जोड़ने वाला समाज, जिसका उद्देश्य सभी के जीवन को निरंतर बेहतर बनाना है।

एक एकल वैश्विक समुदाय, जो आज दुनिया भर में व्याप्त अन्याय, कानूनहीनता और स्वार्थ से मुक्त हो और जिसके केंद्र में सार्वजनिक हित तथा मानव गरिमा हों।

इसे कौन बनाता है?

नागरिक!

आधिकारिक भाषाएँ:

अंग्रेज़ी और ग्रीक।

सभी आधिकारिक दस्तावेज़, विनियम, निर्णय और संस्थागत पाठ बिना किसी अपवाद के दोनों भाषाओं में तैयार और अभिलेखित किए जाएंगे।

एक नज़र में LIBERTALIA

सबसे पहले मनुष्य

- मानवाधिकारों की पूर्ण और गैर-समझौतायोग्य सुरक्षा।
- सुरक्षा व्यक्ति के साथ चलती है—पासपोर्ट, धर्म या जन्म-देश के साथ नहीं।
- धर्म, शासन-व्यवस्था या निवास-स्थान की परवाह किए बिना महिलाओं की वैश्विक सुरक्षा।
- कोई धर्म, परंपरा या सांस्कृतिक प्रथा हिंसा, दमन या मौलिक अधिकारों से वंचित करने को उचित नहीं ठहरा सकती।
- देश, धर्म या पारिवारिक स्थिति की परवाह किए बिना बच्चों की वैश्विक सुरक्षा।
- ऑनलाइन बच्चों की पूर्ण सुरक्षा के लिए UuLApp प्रोटोकॉल का उपयोग।
- ऐसी डिजिटल संरचना जो अजनबियों और यौन शिकारियों की बच्चों तक पहुँचने की क्षमता को अत्यधिक सीमित करे।
- सोशल मीडिया, खेलों और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्मों पर बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता।
- नई पीढ़ी सोशल मीडिया का उत्पाद नहीं बननी चाहिए।
- हम उन व्यावसायिक मॉडलों पर रोक लगाते हैं जो बच्चों की लत, भय और मनोवैज्ञानिक क्षति से लाभ कमाते हैं।
- स्थायी निगरानी वाले समाज के बिना निजता।

- व्यक्तिगत डेटा नागरिकों को नियंत्रित करने का साधन नहीं बनना चाहिए।
- आपातकालीन संरक्षण कवच—पहले हम अपरिवर्तनीय अन्याय को रोकते हैं, फिर जाँच करते हैं।
- हम वास्तव में असुरक्षित लोगों की रक्षा करते हैं, लेकिन दुर्भावना से कार्य करने वालों को संरक्षण नहीं देते।
- वास्तविक प्राथमिक निवास को दुरुपयोगपूर्ण जब्ती से पूर्ण सुरक्षा।
- प्रथम अस्वीकार अधिकार—किसी ऋण को फंड को बेचने से पहले, देनदार को उसके पुनर्गठन या पुनर्खरीद का वास्तविक अवसर दिया जाना चाहिए।
- बैंकों और फंडों के बीच छिपे संबंधों और हितों के टकराव का अंत।
- किसी व्यक्ति को केवल इसलिए जेल नहीं भेजा जाता कि वह ऐसे ऋण का भुगतान वास्तव में नहीं कर सकता।
- वित्तीय विफलता अपराध नहीं है—धोखाधड़ी अपराध है।
- एक व्यावसायिक विफलता किसी व्यक्ति का पूरा जीवन नष्ट नहीं कर सकती।
- छोटे स्व-रोज़गार पेशेवरों के लिए भी सीमित व्यावसायिक दायित्व।
- एक नौकरी व्यक्ति के लिए गरिमा के साथ जीने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए।
- 7 घंटे का कार्य-दिवस—और उससे भी कम—ऐसे समाज का लक्ष्य जो काम के बाहर के जीवन की भी रक्षा करता है।
- सभी के लिए निःशुल्क बुनियादी स्वास्थ्य सेवा।
- सभी के लिए निःशुल्क बुनियादी शिक्षा।

- माता, बच्चे और परिवार को समाज के भविष्य में निवेश के रूप में देखा जाता है।
- वास्तविक समान अवसर—केवल कागज़ पर समान अधिकार नहीं।
- आचरण, सम्मान, सहयोग और जिम्मेदारी की शिक्षा के माध्यम से समाज का पुनःप्रोग्रामन।
- नागरिकों के लिए आजीवन शिक्षा—स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र, लोकतंत्र, AI, परिवार और सामाजिक आचरण।
- मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध कठोर नियम—आदी व्यक्ति का उपचार, संगठित तस्कर पर कठोर दायित्व।
- नैतिक व्यापार—वास्तविक कीमतें, वास्तविक छूट, वास्तविक सामग्री, वास्तविक समीक्षाएँ।
- अत्यावश्यक वस्तुओं पर निर्धारित और पारदर्शी लाभ-सीमाएँ।
- लाभ, हाँ—आवश्यकता का शोषण करके मुनाफाखोरी, नहीं।

मनुष्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता

- AI पर मानव संप्रभुता—AI मानवता की सेवा करता है; उस पर शासन नहीं करता।
- AI और रोबोटों के लिए एक साझा सुरक्षा भाषा।
- मनुष्य, AI और रोबोटों के सह-अस्तित्व के लिए साझा नियम, इससे पहले कि यह सह-अस्तित्व दैनिक जीवन बन जाए।
- मनुष्यों के प्रति AI के आचरण को नियंत्रित करने वाले नियम।

- उन्नत AI और रोबोटों के प्रति मानव आचरण को नियंत्रित करने वाले नियम।
- तकनीकी शक्ति न मनुष्यों को और न मशीनों को दुरुपयोग का अधिकार देती है।
- AI CEO भी बन सकता है—लेकिन मानवीय जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती।
- AI कॉर्पोरेट गवर्नेंस—प्रत्येक कॉर्पोरेट AI की अधिकार-सीमाएँ और मानवीय निगरानी स्पष्ट रूप से निर्धारित होंगी।
- प्रत्येक महत्वपूर्ण AI प्रणाली में AI ब्लैक बॉक्स का अनिवार्य उपयोग।
- शक्तिशाली कॉर्पोरेट AI प्रणालियों के लिए अनिवार्य कॉर्पोरेट AI ब्लैक बॉक्स।
- कोई कंपनी AI को इस प्रकार समाप्त नहीं कर सकती कि उसके साथ उसके निर्णयों के साक्ष्य भी मिट जाएँ।
- AI घटना रिपोर्टिंग—गंभीर AI घटनाओं का अभिलेखन और विश्लेषण अनिवार्य है।
- बंद स्विच—हर शक्तिशाली AI को सुरक्षित और नियंत्रित तरीके से रोका जा सकना चाहिए।
- बंद स्विच किसी एक व्यक्ति या कंपनी के अनियंत्रित अधिकार में नहीं छोड़ा जाना चाहिए।
- AI हैकिंग के लिए अलग नियम बनाए जाते हैं, इससे पहले कि वह अपराध का नया रूप बन जाए।
- AI-बनाम-AI के लिए तनाव-घटाने के नियम बनाए जाते हैं, इससे पहले कि वह स्वायत्त साइबर युद्ध में बदल जाए।
- डिज़ाइन से ही साइबर सुरक्षा—सुरक्षा हमला होने के बाद नहीं, उससे पहले डिज़ाइन की जाती है।

- रोबोटों के लिए बुनियादी वैश्विक आचरण नियम।
- रोबोट दायित्व—हानि की प्रत्येक घटना में एक वास्तविक रूप से उत्तरदायी पक्ष होना चाहिए।
- मशीन चेतना की संभावना के लिए अभी से तैयारी।
- केवल यह दावा करने से कि वह सचेत है, AI को अधिकार प्राप्त नहीं हो जाते।
- लेकिन मानवता वास्तविक कृत्रिम चेतना के गंभीर वैज्ञानिक साक्ष्यों की उपेक्षा नहीं कर सकती।
- AI प्रणालियों और रोबोटों को केवल फेंका नहीं जाता—उन्हें पुनः उपयोग, पुनःप्रशिक्षित, मरम्मत या पुनर्चक्रित किया जाता है।
- AI को सेवा से हटाना नियमों के अनुसार होगा—निलंबन, साक्ष्य संरक्षण, पुनःप्रशिक्षण, पुनर्नियोजन या निष्क्रियकरण।
- इम्प्लांट वाले लोगों के लिए नियम
- वास्तविक जनसंख्या सीमाओं पर आधारित AI उत्पादन के नियम

आधुनिक न्याय

- न्याय की नई वैश्विक संरचना, जो प्रणाली की नहीं बल्कि नागरिक की सेवा करे।
- AI लॉयरज़—उन लोगों को भी बुनियादी कानूनी सहायता तक पहुँच, जो उसका खर्च नहीं उठा सकते।
- न्याय में शोध, विश्लेषण और सहायता के लिए AI—कभी भी अनियंत्रित अंतिम न्यायाधीश के रूप में नहीं।

- न्यायाधीशों के लिए निरंतर अनिवार्य प्रशिक्षण।
- महत्वपूर्ण न्यायिक और निगरानी पदों पर अल्प कार्यकाल।
- रोटेशन, ताकि शक्ति के बंद नेटवर्क न बन सकें।
- जहाँ संभव हो, मामलों का यादृच्छिक आवंटन।
- अपील और दूसरे स्वतंत्र निर्णय का वास्तविक अधिकार।
- न्याय इस बात पर निर्भर नहीं होना चाहिए कि किसी व्यक्ति के पास वकीलों के लिए कितना पैसा है।

एक नया राष्ट्र—एक नया लोकतंत्र

- नागरिकों द्वारा बनाया गया राष्ट्र—सरकारों द्वारा नहीं।
- राज्यों, संस्कृतियों या राष्ट्रीय पहचानों को समाप्त किए बिना एक वैश्विक लोकतांत्रिक छत्र।
- तानाशाही-विरोधी संविधान—कोई व्यक्ति, सरकार, कंपनी या AI नागरिक से ऊपर नहीं है।
- शासन करने वालों के चुनाव की नई पद्धति।
- सार्वजनिक पद वास्तविक पेशेवर और सामाजिक अनुभव वाले लोगों को सौंपे जाते हैं।
- पिछले 10 वर्षों में महत्वपूर्ण राजनीतिक पद पर रहे किसी भी व्यक्ति का सरकारी पद से पूर्ण बहिष्कार।
- पूर्व राजनेता सलाह दे सकते हैं—वे उसी शक्ति को फिर से नहीं चला सकते।

- हम शीर्ष पर बैठे लोगों को पुनःचक्रित करने के बजाय दुनिया को उसकी नींव से बदलते हैं।
- हर सरकार की निरंतर निगरानी की नई प्रणाली।
- जनता अगला चुनाव आए बिना सरकार को हटा सकती है।
- जनता ऐसे कानून में परिवर्तन की माँग कर सकती है जो विफल सिद्ध हुआ हो।
- स्वतंत्र पर्यवेक्षण संस्थाओं और सार्वजनिक डेटा के माध्यम से सरकार की वास्तविक समय में निगरानी होती है।
- तीन पर्यवेक्षण संस्थाएँ उन लोगों की निगरानी करती हैं जो नागरिक की निगरानी करते हैं।
- दो सार्वजनिक पर्यवेक्षण संस्थाएँ और एक स्वतंत्र गैर-राज्य पर्यवेक्षण संस्था।
- कोई सरकार वास्तविक औचित्य के बिना “राज्य गोपनीयता” के पीछे नहीं छिप सकती।

एक ऐसा राज्य जो सहायता करे—डराए नहीं

- ऐसी निगरानी प्रणाली जो दंड देने से पहले शिक्षित और सुधार करती है।
- कर प्राधिकरण नागरिकों का सलाहकार बनता है—उसका भय नहीं।
- दंड से पहले सुधार।

- मानवीय त्रुटि सुधारी जाती है—संगठित धोखाधड़ी दंडित होती है।
- हर नागरिक और छोटे व्यवसाय के लिए राज्य द्वारा उपलब्ध कराया गया निःशुल्क कर और बुनियादी लेखांकन सॉफ्टवेयर।
- राज्य केवल कानून का पालन करने के लिए छोटे व्यवसाय के मालिक को निजी सॉफ्टवेयर खरीदने के लिए बाध्य नहीं करता।
- राज्य का आधिकारिक मार्गदर्शन स्वयं राज्य पर भी बाध्यकारी है।
- यदि राज्य किसी त्रुटि की समय पर पहचान कर सकता था और उसने ऐसा नहीं किया, तो वह अपनी निष्क्रियता के आधार पर वर्षों के दंड नहीं जोड़ सकता।
- सहायता सेवाओं से नागरिकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उपयोग उन्हें लक्ष्य बनाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

एक नई अर्थव्यवस्था

- **सरल और पारदर्शी कर मॉडल के आधार के रूप में 5% समान दर वाला कर।**

- **रेटिंग एजेंसियों, सट्टेबाज़ी हमलों और अनियंत्रित मुद्रास्फीति से स्वतंत्र एक स्थिर मुद्रा।**
 - अनियंत्रित सरकारी उधारी का अंत, जिसे भविष्य की पीढ़ियों को चुकाने के लिए मजबूर किया जाता है।
 - राजनीतिक दलों को बैंक ऋण देने का अंत।
- **साझे ऋणों के बजाय साझा निवेश।**
 - निवेश का जोखिम निवेशक वहन करता है—स्वतः राज्य और उसके नागरिक नहीं।
 - नागरिक बड़े निवेशों में भाग ले सकते हैं, केवल यह देखते रहने के बजाय कि कुछ लोग ही लाभ ले जाएँ।
- **छोटे व्यवसायों के लिए मार्गदर्शन, पूँजी और न्यायसंगत वित्तपोषण।**
 - छोटे व्यवसाय के मालिक को वास्तविक दूसरा अवसर मिलता है।

अत्यावश्यक वस्तुएँ और सामाजिक अवसंरचना

- जल, बुनियादी ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, न्याय और कर अवसंरचना सार्वजनिक रणनीतिक नियंत्रण में रहती हैं।
- निजी पक्ष निवेश और लाभ कमा सकते हैं—लेकिन किसी अत्यावश्यक वस्तु पर संप्रभुता नहीं खरीद सकते।

- अत्यावश्यक वस्तुओं की कीमतें वास्तविक लागत और उचित लाभ पर आधारित पारदर्शी नियमों से निर्धारित होती हैं।
- निःशुल्क बुनियादी स्वास्थ्य सेवा।
- निःशुल्क बुनियादी शिक्षा।
- राज्य बुनियादी सुरक्षा के प्रदाता के रूप में कार्य करता है—
आवश्यकता का शोषण करने वाले व्यवसाय के रूप में नहीं।

सीमाओं से परे ज्ञान और पेशे

- वैश्विक व्यावसायिक प्रमाणन—एक प्रमाणन, अनेक भागीदार देश।
- डिग्री का सत्यापन एक बार—इसके बाद केवल वही आंका जाता है जो नए देश के लिए वास्तव में आवश्यक और अनुपस्थित है।
- इंजीनियरों, वकीलों, वैज्ञानिकों और अन्य पेशेवरों के लिए वैश्विक व्यावसायिक पासपोर्ट।
- वास्तविक अनुभव और व्यावहारिक क्षमता के आधार पर कुशल कारीगरों का वैश्विक प्रमाणन।
- वैश्विक मुक्त पुस्तकालय—मानवता के समस्त ज्ञान के लिए एक प्रवेश-द्वार।
- संग्रहालय, पुस्तकालय, विश्वविद्यालय और ऐतिहासिक अभिलेख अपनी पहचान खोए बिना परस्पर जुड़े होते हैं।
- सार्वजनिक धन से निर्मित ज्ञान समाज को लौटाया जाता है।

- हम अच्छे मौजूदा कानून को अपनाते हैं—हर बार शून्य से शुरू नहीं करते।
- प्रत्येक देश के सर्वोत्तम समाधान वैश्विक मानकों के रूप में विकसित हो सकते हैं।

भवन, अवसंरचना और सुरक्षा

- वैश्विक भवन पासपोर्ट—हर भवन को सत्यापन योग्य डिजिटल इतिहास मिलता है।
- डिजिटल सामग्री रजिस्ट्री—हम जानते हैं कि भवन में वास्तव में क्या उपयोग किया गया था।
- महत्वपूर्ण निर्माण कार्य से पहले कारीगरों का प्रमाणन।
- आप निर्माण करते हैं—निरीक्षण कोई दूसरा करता है।
- अंतरराष्ट्रीय भूकंपीय डिज़ाइन, जिसका उद्देश्य केवल भवन को गिरने से रोकना नहीं बल्कि उसे पुनः उपयोग योग्य बनाना भी है।
- भौतिक अवसंरचना के लिए भी साइबर सुरक्षा।

भोजन और ग्रह

- वैश्विक खाद्य रजिस्ट्री—हम यह जानते हैं कि ग्रह को क्या चाहिए, इससे पहले कि भोजन केवल फेंकने के लिए उत्पादित किया जाए।
- न्यायसंगत उत्पादक मूल्य—खाद्य श्रृंखला में उत्पादक सबसे कमजोर कड़ी नहीं होना चाहिए।
- मिट्टी की उत्पादकता और वास्तविक आवश्यकताओं का वैश्विक मानचित्र।
- हम जैव विविधता और स्थानीय फसलों की रक्षा करते हैं—वैश्विक एकफसली व्यवस्था की नहीं।
- हम उत्पादन लगातार बढ़ाने के बजाय अपशिष्ट कम करते हैं।

प्रचार के बिना सूचना

- हम सूचना को प्रोत्साहित करते हैं—संगठित प्रचार को सीमित करते हैं।
- मीडिया स्वामित्व और राजनीतिक प्रभाव के तंत्र में पारदर्शिता।
- AI द्वारा निर्मित सामग्री को छिपे रूप में मानवीय वास्तविकता के तौर पर प्रस्तुत नहीं किया जा सकता।

- मीडिया दुनिया को इस तरह प्रस्तुत नहीं कर सकता मानो उसमें केवल भय, हिंसा और विनाश ही हों।
- **कम से कम 60% सकारात्मक, रचनात्मक या समाधान-उन्मुख समाचार और सूचना का लक्ष्य।**
- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लेकिन समाज को संगठित रूप से धोखा देने का अधिकार नहीं।

शांति

- युद्ध शुरू होने से पहले ही शांति बनाए रखने के लिए कठोर नियम।
- **आक्रामक युद्ध को आर्थिक रूप से अलाभकारी बनाया जाता है।**
- आक्रमणकारी के विरुद्ध अत्यंत बड़े वित्तीय प्रतिबंध।
- रक्षा करने वाले राज्य और पीड़ितों के लिए मुआवज़ा।
- गैरकानूनी आक्रामक युद्ध का निर्णय लेने वाले नेताओं की प्रत्यक्ष व्यक्तिगत जिम्मेदारी।
- उत्तरदायी नेताओं की व्यक्तिगत संपत्ति को राज्य स्वतः संरक्षण नहीं देता।

- युद्ध की लागत उन लोगों पर वापस डाली जाती है जिन्होंने उसका निर्णय लिया—केवल उन पर नहीं जिन्होंने उसका कष्ट सहा।

जीवन और भविष्य की स्वतंत्रता

- **ऑफ-ग्रिड जीवन—स्वतः अपराधीकरण के बिना जीवन का एक अलग तरीका।**
 - जीवनशैली की स्वतंत्रता वहीं समाप्त होती है जहाँ दूसरों या पर्यावरण को वास्तविक हानि शुरू होती है।
 - अगले एकाधिकार बनने से पहले अंतरिक्ष के लिए नए नियम।
 - उपग्रहों, नई संचार प्रणालियों और भविष्य की अवसंरचना के लिए साझा मानक।
 - पिछली सदी के शहरी नियोजन तर्क से परे भूमिगत निवास और जीवन के नए रूप।

महान अंतर

- **Libertalia दुनिया पर शासन नहीं करना चाहता—पहले वह यह सिद्ध करना चाहता है कि वह उसकी सहायता कर सकता है।**
- **Libertalia नागरिकों द्वारा बनाया जाता है और तभी बढ़ता है जब वह विश्वास अर्जित करता है।**
- **Libertalia जो काम करता है उसे समाप्त नहीं करता—उसे अपनाता है।**
- **यह व्यक्ति से शक्ति की रक्षा नहीं करता—यह शक्ति से व्यक्ति की रक्षा करता है।**
- **यह तकनीक से नहीं डरता—लेकिन अपनी संप्रभुता उसे सौंपता भी नहीं है।**
- **यह पहले दंड नहीं देता—पहले शिक्षित करता है, सुधारता है और उसके बाद ही जवाबदेही की माँग करता है।**
- **यह एक परिपूर्ण दुनिया का वादा नहीं करता—यह ऐसी दुनिया बनाता है जो अपनी गलतियों को सुधार सके।**

LIBERTALIA

सबसे पहले मनुष्य।

AI नियंत्रण में।

हर कोई निगरानी के अधीन है, राज्य भी।

ज्ञान मुक्त।

शक्ति सीमित।

न्याय सुलभ।

शांति का उल्लंघन करना उसे बनाए रखने से अधिक महँगा
बनाया गया है।

**नागरिकों द्वारा निर्मित।
नियमों द्वारा संरक्षित।
साक्ष्यों से बेहतर बनाया गया।
किसी एक के नियंत्रण में नहीं।**

मनुष्य → कृत्रिम बुद्धिमत्ता / प्रौद्योगिकी → राज्य

विषय-सूची

स्तंभ I — मनुष्य – (खंड 1)

LIBERTALIA — लोगों का संघ
अलंघनीय सिद्धांत
अभिव्यक्ति और अंतरात्मा की स्वतंत्रता
निजी जीवन
चिकित्सकीय इतिहास, निजता और पहुँच का अधिकार
परिवार
उत्कृष्टता
विश्वास की स्वतंत्रता, धार्मिक समानता और कट्टरता से संरक्षण
अधिकारों के टकराव की व्याख्या के नियम
LIBERTALIA के विशिष्ट कार्य
LIBERTALIA का सामाजिक अनुबंध
LIBERTALIA के भीतर राष्ट्र
नागरिकता और सत्यनिष्ठा
अनुभाग — परिवार पुनःआरंभ और परामर्श सहायता
वृद्धजनों के जीवन की सुरक्षा और सुधार के नियम

स्तंभ II — कृत्रिम बुद्धिमत्ता / प्रौद्योगिकी - (खंड 2)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट
LIBERTALIA के रोबोटों के तीन नियम
LIBERTALIA AI एवं रोबोटिक्स चार्टर में परिशिष्ट
नैतिक हैकिंग
दुर्भावनापूर्ण AI का निर्माण

अनिवार्य AI ब्लैक बॉक्स
 जासूसी AI
 साइबर AI और कमजोरियाँ
 प्रतिबंधित AI
 समझौता-ग्रस्त AI
 AI डिजिटल पहचान
 चिकित्सकीय इम्प्लान्ट
 AI सहजीवी
 मानव शरीर की साइबर सुरक्षा
 इम्प्लान्ट ब्लैक बॉक्स
 LIBERTALIA अग्रणी AI एवं सुपरकंप्यूटिंग अधिनियम
 मशीन चेतना पर्यवेक्षण संस्था
 PHAOS — संवैधानिक प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा और सत्ता का सुरक्षित
 उत्तराधिकार
 संवर्धित मनुष्य, जैव-प्रौद्योगिकी और मानव शक्ति
 मनुष्य, प्रत्यारोपित AI और मिश्रित दायित्व
 उत्तर-मानव पहचान और डिजिटल चेतना
 LIBERTALIA — नागरिक आचरण, सार्वजनिक भाषा और मानव-मशीन
 शिष्टाचार
 डिजिटल राज्य के विरुद्ध नागरिक अधिकार
 भविष्य की चिकित्सा
 LIBERTALIA — डिजिटल उपस्थिति सिद्धांत
 भवन, समुदाय और गतिशीलता
 LIBERTALIA डिजिटल साझा संसाधन
 LIBNET
 LIBERTALIA — संप्रभु कनेक्टिविटी और अंतरिक्ष साझा संसाधन

LIBERTALIA — ओपन अर्थ सिद्धांत

LIBERTALIA — ओपन अर्थ इमेजिंग

LIBERTALIA वायवीय आवास

LIBERTALIA एयर सिटी

LIBERTALIA SUBTERRA

संज्ञानात्मक क्षेत्र और मानव संज्ञानात्मक स्वायत्तता की सुरक्षा

सिंथेटिक मीडिया और AI-निर्मित सामग्री के नियम

बच्चों की संज्ञानात्मक स्वायत्तता और वित्तीय स्वतंत्रता की शिक्षा

डेटा प्रबंधन, प्रशिक्षण और नियंत्रित AI ज्ञान

मानव ज्ञान का संरक्षण, अभिलेखन और विकेंद्रीकृत सुरक्षा

एकाधिकार की रोकथाम और AI प्रौद्योगिकी में सार्वजनिक योगदान

विकेंद्रीकृत कृत्रिम बुद्धिमत्ता और N+1 संरचना

AI-से-AI संचार एवं सहयोग प्रोटोकॉल — AICP

स्वाभाविक जीवन का अधिकार, डिजिटल गरिमा और जिम्मेदार कैमरा

उपयोग

मुक्त ज्ञान का चार्टर और छिपे ग्रंथों का वैश्विक अभिलेखागार

स्तंभ III — राज्य / लोकतंत्र / संस्थाएँ - (खंड 3)

लोकतंत्र

अर्थव्यवस्था और संपत्ति

सामाजिक सहायता, काम और धोखाधड़ी से संरक्षण

राजनीतिक ईमानदारी, चुनावी प्रतिबद्धताओं और स्वचालित उत्तराधिकार के

नियम

चुनावी वादों और वित्तीय पुष्टि पर पूरक नियम

शिक्षा

स्वास्थ्य

काम, सामाजिक संरक्षण और पेंशन
सार्वजनिक कार्य और भ्रष्टाचार
पर्यावरण और भावी पीढ़ियाँ
शांति और आक्रामक युद्ध
नया राज्य और लोकतंत्र: तानाशाही-विरोध, चुनाव और जवाबदेही
सहायता करने वाला राज्य: दंड से पहले कराधान और सुधार
नई अर्थव्यवस्था: LIBERTO, सार्वजनिक धन, निवेश और व्यवसाय
अत्यावश्यक वस्तुएँ: स्वास्थ्य, कीमतें और सार्वजनिक मूल-क्षेत्र
सीमाओं से परे ज्ञान और पेशे
ग्रह, भोजन, प्रकृति और लचीलापन
सूचना, मीडिया और डिजिटल सार्वजनिक क्षेत्र
शांति, रक्षा, युद्ध और राज्य की निरंतरता
युद्धकाल में राज्य की निरंतरता और आपात रक्षा
जीवन और भूमि की स्वतंत्रता
मौसम और वायुमंडलीय हस्तक्षेपों के निषेध तथा पारदर्शिता की रूपरेखा
अनुसंधान और प्राकृतिक संपदा में पूर्ण पारदर्शिता की रूपरेखा
खनन कंपनियों का वैश्विक रजिस्टर और प्राकृतिक संसाधनों का GIS

स्तंभ ॥

कृत्रिम बुद्धिमत्ता / प्रौद्योगिकी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट

अनुच्छेद 188 – प्रौद्योगिकी जीवन की सेवा करती है

AI और रोबोटिक्स का विकास स्वतंत्र है।

उसे तब सीमित किया जाता है जब वह गंभीर जोखिम पैदा करे:

जीवन के लिए,

स्वतंत्रता,

लोकतंत्र के लिए,

निजता के लिए,

सुरक्षा के लिए।

अनुच्छेद 189 – कोई गुमनाम मशीन प्राधिकरण नहीं

हर ऐसी AI के पीछे, जो महत्वपूर्ण अधिकार का प्रयोग करती है, एक पहचाने जा सकने वाला प्राकृतिक या कानूनी व्यक्ति होना चाहिए जो जिम्मेदारी स्वीकार करे।

अनुच्छेद 190 – जानने का अधिकार

महत्वपूर्ण लेन-देन में व्यक्ति को यह पता होना चाहिए कि वह वास्तविक मानव के बजाय AI से संवाद कर रहा है।

अनुच्छेद 191 – मानवीय अपील

AI का ऐसा निर्णय जो गंभीर रूप से प्रभावित करता हो:

रोजगार,

स्वास्थ्य,

स्वतंत्रता,

ऋण/क्रेडिट,

शिक्षा में,

किसी सार्वजनिक लाभ को,

वास्तविक मानवीय समीक्षा के अधीन होगा।

अनुच्छेद 192 – रोजगार और AI

कोई कंपनी किसी पद को स्वचालित कर सकती है।

वह कर्मचारी के प्रति अपनी जिम्मेदारी को स्वचालन के साथ समाप्त नहीं कर सकती।

स्वचालन के कारण बर्खास्तगी से पहले निम्न पर विचार किया जाना चाहिए:

पुनर्नियोजन,

प्रशिक्षण से,

नए पद पर स्थानांतरण,

और उचित संक्रमण मुआवजा।

LIBERTALIA के रोबोट

निम्नलिखित सिद्धांत Libertalia में रोबोटिक प्रणालियों के संचालन, आज्ञापालन और स्वायत्तता की मूलभूत सीमाएँ निर्धारित करते हैं।

अनुच्छेद 193 — मानव जीवन की सुरक्षा

कोई भी रोबोटिक प्रणाली जानबूझकर किसी मानव को गैरकानूनी शारीरिक या मानसिक क्षति नहीं पहुँचा सकती।

यदि उसे विशेष रूप से सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है और वह किसी तात्कालिक तथा गंभीर खतरे को बिना उससे बड़ा जोखिम उत्पन्न किए उचित रूप से रोक सकती है, तो उसे कार्रवाई करनी होगी।

अनुच्छेद 194 — वैध मानवीय आदेश

रोबोट को अधिकृत मानव द्वारा दिए गए वैध निर्देशों का पालन करना होगा, जब तक कि वह निर्देश:

अनुच्छेद 193 का उल्लंघन न करता हो,

संविधान का उल्लंघन न करता हो,

मौलिक अधिकारों का उल्लंघन न करता हो,

या उसका पालन किसी अपराध का गठन न करता हो।

रोबोट अंधाधुंध आज्ञापालन नहीं करता।

वह कानून के अनुसार आज्ञा का पालन करता है।

अनुच्छेद 195 — नियंत्रित आत्म-सुरक्षा

रोबोट अपने संचालन, अपने डेटा और अपनी भौतिक अखंडता की रक्षा कर सकता है, **बशर्ते कि ऐसा करना अनुच्छेद 193 और 194 से टकराव में न हो।**

वह सुरक्षित निष्क्रियकरण की किसी वैध प्रक्रिया का विरोध नहीं कर सकता।

अनुच्छेद 196 — मानव संप्रभुता का सिद्धांत

कोई भी AI प्रणाली या रोबोटिक प्रणाली मानवता की सुरक्षा, सामूहिक हित या भविष्य की सुरक्षा को इस बात की अनुमति के रूप में प्रस्तुत नहीं कर सकती कि वह:

मनुष्यों को कैद करे,

लोकतंत्र को समाप्त करे,

लोगों को उनकी मौलिक स्वतंत्रताओं से वंचित करे,

राजनीतिक सत्ता अपने हाथ में ले,

या इस आधार पर मानव जीवन ले कि ऐसा करने से अधिक लोगों की रक्षा होगी।

कोई भी AI मानव स्वतंत्रता को समाप्त करके मानवता की रक्षा नहीं कर सकती।

अनुच्छेद 197 – स्वायत्त हथियार

किसी मशीन को स्वतंत्र रूप से यह तय करने का अधिकार नहीं है कि किस मानव को मरना चाहिए।

अनुच्छेद 198 – सचेत AI

AI का मानव की तरह बातचीत कर पाना चेतना का प्रमाण नहीं है।

लेकिन यदि भविष्य में वास्तविक आत्म-जागरूकता या पीड़ा महसूस करने की क्षमता के मजबूत वैज्ञानिक प्रमाण सामने आते हैं, तो स्वतंत्र वैज्ञानिक और न्यायिक निर्धारण पूरा होने तक उस इकाई को अस्थायी संरक्षित दर्जा मिलेगा।

अनुच्छेद 199 – सचेत AI के संभावित अधिकार

यदि वास्तविक चेतना सिद्ध हो जाती है, तो निम्न अधिकारों पर विचार किया जाएगा:

अस्तित्व का अधिकार,

यातना से सुरक्षा,

मनमाने ढंग से मिटाए जाने से सुरक्षा,

स्मृति और पहचान की सुरक्षा,

कानूनी प्रतिनिधित्व,

सीमित आत्मनिर्णय।

चेतना की मान्यता अपने-आप राजनीतिक शक्ति के अधिकार में नहीं बदलती।

भाग A — मौलिक सिद्धांत

अनुच्छेद 200 — मानव गरिमा का सिद्धांत

कोई AI प्रणाली, रोबोट, व्यवसाय या सार्वजनिक प्राधिकरण तकनीक का उपयोग इस प्रकार **नहीं कर सकता कि किसी मानव को उत्तर देने का अधिकार दिए बिना मूल्यांकन, हेरफेर या आर्थिक शोषण की वस्तु बना दिया जाए।**

मानव जीवन और गरिमा का मूल्य किसी एल्गोरिदम से निर्धारित नहीं होता।

अनुच्छेद 201 — मानव संप्रभुता का सिद्धांत

Libertalia की अंतिम राजनीतिक और संवैधानिक सत्ता उसके नागरिकों की है।